EDUZONE: International Peer Reviewed/Refereed Multidisciplinary Journal (EIPRMJ), ISSN: 2319-5045
Volume 7, Issue 2, July-December, 2018, Impact Factor: 5.147, Available online at: www.eduzonejournal.com

सोशल मीडिया का भारतीय समाज में युवाओं पर प्रभाव

योगेश कुमार

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एम डी यू रोहतक

सार

आज के समय में सोशल मीडिया बहुत असरदायक और प्रभावी होने के साथ अपने विचार अन्यों तक पहुचाने का एक सशक्त माध्यम है। आज के दौर मे सुचना एवं संचार में दिन प्रतिदिन नई क्रान्ति आ रही है। भारत में खासतौर से युवाओं के द्वारा सोशल मीडिया अत्याधिक प्रयोग किया जाता है। आज कल तो खासतौर पर युवाओं और बच्चों या समाज के हर वर्ग की निजी जिंदगी लाइव या रिकार्डिंग के माध्यम से सोशल मीडिया पर आ गई है। प्रस्तुत शोध में सोशल मीडिया के पड रहे सकारात्मक प्रभाव एवं नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन किया गया है।

मुख्य शब्दः– युवा, बच्चों, समाज, न्यू मीडिया सोशल साइट्स, जीवनशैली।

भूमिका

मार्शल मैकलुहन ने कहा था कि ''माध्यम ही संदेश है।'' अर्थात माध्यम की प्रभावषीलता ही संदेश की प्रभावशीलता है। इसका तात्पर्य है कि आप का माध्यम जितना पावरफुल होगा उतना ही आपका संदेश मास स्तर पर प्रभावी और महत्वपूर्ण होगा। अत अपने संदेश का प्रभावी बनाने के लिए आपका माध्यम सशक्त होना चाहिए। सोशल मीडिया, प्रिट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, न्यू मीडिया से भिन्न है।

डेविड लेंडसबर्गेन के अनुसार ''सोशल मीडिया उपकरणों का एक मंच है जा सामाजिक संचार की सभी आवश्यकताओं को पूरा करते है।'' समाज में नागरिकों को असानी से इंटरनेट उपयोग करने की आजादी देता है तथा अपने सोशल मीडिया को प्रभावी बनाने के लिए अपने एकाउंट बनाने तथा अपने संदेश संप्रेषित करने के लिए मंच प्रदान करता है। इसमे सोशल मीडिया की विभिन्न लिंक्डइन, मीटअप, साइट्स फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सअप, इस्टाग्राम, गूगल, यूटयूब, टेलीग्राम, गूगलमीट आदि है।

सोशल मीडिया एक शक्तिशाली दवा की तहर है अगर दवा का सही इस्तेमाल किया जाए तो यह कई बीमारियो को ठीक कर सकती है, अगर दवा का दुरूपयोग किया जाए तो यह जहर बन सकती है। सोशल मीडिया का ही प्रभाव है कि जो दुनिया कभी रहस्यमयी लगती थी, सोशल मीडिया ने उसे वास्तविकता में प्रकट कर दिया भारत आज सोशल मीडिया के बड़े बाजार के रूप में उभर चुका है। सोशल मीडिया शब्द एक कम्प्यूटर आधारित तकनीक को संदर्भित करता है जो आभासी नेटवर्क और समुदायो के माध्यम से विचारो और सूचनाओ को साझा करने की सुविधा प्रदान करता है। सोशल मीडिया इंटरनेट आधारित है और उपयोगकर्ताओ को व्यक्तिगत जानकारी, दस्तावेज वीडियो और फोटो जैसी सामग्री का त्वरित इलेक्ट्रॉनिक संचार प्रदान करता है। उपयोगकर्ता वेब–आधारित सॉफ्टवेयार या एप्लिकेशन के माध्यम से कम्प्यूटर, टैबलेट या स्मार्टफोन के माध्यम से सोशल मीडिया से जुड़ते है, जैसे : फेसबुक, यू–ट्यूब, इंस्टाग्राम, स्नेपचैट, ट्विटर, लिंकडीन, पिंटरेस्ट, व्हाट्सअप, क्यूरा आदि।

प्रिन्ट मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक की विस्तार यात्राा का समाज के प्रत्येक वर्ग पर सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। किन्तु सर्वाध्कि प्रभाव हमें युवाओं पर देखने को मिलता है। युवा मन सदैव ही आसानी से नवाचारों को ग्रहण कर लेता है और अपनी प्रतिक्रिया भी त्वरित रुप से देता है। प्रस्तुत शोध लेख में यह प्रदर्शित किया गया है कि स्वतंत्राता आन्दोलन से लेकर आजतक राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक परिवर्तन में युवाओं

की सहभागिता सर्वाधिक रही है। इस सम्पूर्ण परिवर्तन में मीडिया का प्रभाव सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही रहा है। आज सोशल मीडिया के प्रभावस्वरूप एक तरपफ जहाँ रचनात्मकता में वृद्धि हुई है वही विध्वंशात्मक प्रवृत्तियों का भी विकास हुआ है।

शोध परिकल्पना

सोशल मीडिया का प्रभाव आज के समाज मे तेजी से बढ रहा है तथा इससे सामाजिक विकास को गति भी मिल रही है। भविष्य में सोशल मीडिया के विस्तार की आवश्यकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

अनुसंधान प्रस्ताव

सोशल मीडिया का युवाओं पर पडने वाले प्रभाव का सीधा सम्बंध सामाजिक विकास से है जिसके कारण इस अध्ययन का महत्व बढ गया है। समाज के विभिन्न पहलुओं के सोशल मीडिया के माध्यम से विकसित होने का अवसर प्राप्त हुआ है। आज के दौर में यह देखने को मिलता है कि सोशल मीडिया के अनेक रूपों के द्वारा समाज को विकास की राह पर ले जा रहा है।

नमूने की विधि

अध्ययन हेतु लिये गये नमूनों का आकार 100 है जिसे 20–40 आयु के युवाओं को शामिल किया गया है। इन युवाओं में विभिन्न कालेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों को शामिल किया गया है।

अनुसंधान पद्धती

यह अध्ययन सर्वे विधि के द्वारा किया गया है। 20–40 आयु वर्ग के युवाओं को रैन्डमली चयन किया गया है। सभी युवाओं सोशल मीडिया को उपयोगकर्ता है।

शोध परिणाम

समाजिक विकास में सोशल मीडिया की अहम भूमिका है। अध्ययन के दौरान हमें ज्ञात हुआ की युवाओ ंने सोशल मीडिया की सामजिक विकास में सकारात्मक भूमिका को सराहा है । उन्होने माना की सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव भी है लेकिन इसका सदुपयोग आमजन व समाज के विकास में सार्थक योगदान है। अध्ययन से प्राप्तियॉ निम्नलिखित है।

1. अध्ययन से ज्ञात हुआ की 91 प्रतिशत युवाओं स्वयं या अपने दोस्तों के मोबाईल/कम्प्यूटर के माध्यम से सोशल मीडिया का उपयोग करते है।
2. 83 प्रतिशत युवाओं ने माना कि वो प्रतिदिन 4–5 घण्टें का समय सोशल मीडिया या मोबाईल का इस्तेमाल करने में खर्च हो रहा है।
3. 78 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि सोशल मीडिया सामाजिक विकास में अहम भूमिका निभा रहा है।
4. युवाओं (72 प्रतिशत) ने माना की उन्होनें शिक्षा सम्बंधी सूचनाए अपने दोस्तों के साझा की।
5. 26 प्रतिशत युवाओं ने कहा उन्होनें राजनीति सम्बंधी सूचनाएं आगे साझा की।
6. 70 प्रतिशत युवाओं ने इस बात के सहमति जताई की वे सोशल मीडिया के दुरूपयोग से चिंचित है। क्योकि ये युवाओ को अपने राह से भटकाता है।
7. 65 प्रतिशत युवाओं ने इस बात से सहमति दिखाई की सोशल मीडिया के कारण आमजन को सरकारी कामकाज व अपने कार्यों में काफी आसानी हो रही है।
8. 52 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि सोशल मीडिया पर अच्छी चीजें परोसने से आपराधिक प्रवृति रूक सकती है।
9. समाज में बढ रही अपराधिक प्रवृति के लिए भी अधिकरत युवाओं (49 प्रतिशत) ने सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव को ही जिम्मेवार माना है।
10. युवाओं ने माना की सोशल मीडिया के कारण शैक्षणिक सूचनाओं को आदान प्रदान सुगम हो गया है।

11 सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक विकास में सोशल मीडिया की भूमिका के योगदान को भी 62 प्रतिशत युवाओं ने सहमति प्रदान की।

निष्कर्ष

सोशल मीडिया ने हमारे देश के नौजवानों की जीवन शैली पूरी तरह से बदल दी है। जिसमें उनको रहन–सहन, खान–पान, बोलचाल, वेशभूषा आदि शामिल है। आज के दौर में युवाओं की समाज के विकास मे अहम भूमिका है और उनके उपर सोशल मीडिया को ना केवल प्रभाव है अपितु जिस तरह से वे सोशल मीडिया पर एक्टिव है उससे लगता है कि सोशल मीडिया उनके जीवन शैली का अभिन्न अंग बन गया है

युवाओं के एक दिन अर्थात 24 घण्टों में से रोजाना 4से 5 घण्टें सोशल मीडिया या मोबाईल ले रहा है। जहा वे सकारात्मक और नकारात्मक दोना तरह की सूचनाों से घिरे हुए है। सोशल मीडिया के अभाव में आज देश में सामाजिक विकास, आर्थिक विकास की गति धीमी पड सकती है। इस लिए हम इसे नकार तो नही सकते लेकिन सोशल मीडिया का शिक्षा के क्षेत्र में, विज्ञान के क्षेत्र में, व्यापार के क्षेत्र में तथा सरकारी नितियों में सकारात्मक उपयोग/सदुपयाग करके ही हम आज के समय में सर्वागिण समाजिक विकास की अवधाराना को प्राप्त कर सकते है।

सदंर्भ

1 जनसंचार एंव समाज (2005) डॉमोनिका नागोरी –81–86064–47–8
2 डब्लू डब्लू डॉट उदयइंडिया डॉट इन
3 आधूनिक पत्रकारिता के विविध आयाम (2010) नीरज वर्मा (9788174455499)
4 https://en.wikipedia.org/wiki/Social_media
5 https://en.wikipedia.org/wiki/Social_media